शुष्क क्षेत्रों में सतत खेती पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन काजरी, जोधपुर में किया गया

शुष्क क्षेत्रों में भूमि क्षरण का मौजूदा स्तर, जलवायु परिवर्तन और सीमित प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता जैविक दबाव खेती और आजीविका सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। शुष्क भूमि में खाद्य सुरक्षा और स्थिरता प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती रही है। शुष्क क्षेत्र की आवश्यकताओं और समस्याओं को एक समान मंच पर शोधकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, नीति निर्माताओं, अधिकारियों, किसानों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य हितधारकों को शामिल करके गहन विचार-विमर्श के माध्यम से रेखांकित करने के लिए भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर और भारतीय कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 29-30 अगस्त 2022 के दोरान "शुष्क क्षेत्रों में सतत खेती" पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन काजरी, जोधपुर में किया गया।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विशिष्ट अतिथि माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, विशेष अतिथि परमहंस श्री 1008 श्री रामप्रसाद जी महाराज महंत श्री बड़ा रामद्वारा, सूरसागर एवं उदघाटन सत्र के अध्यक्ष डॉ सुरेश कुमार चौधरी, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), भाकृअनुप, नई दिल्ली की उपस्थिती में किया गया। श्री शेखावत ने कहा कि खेती को लाभदायक बनाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों, किसानों एवं सभी हितधारकों को मिल कर मंथन करना चाहिए। बढ़ती हुई जनसंख्या कि जरूरतों को ध्यान मे रखते हुए मरू क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए काजरी एवं अन्य संस्थानो द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री कैलाश चौधरी ने खेती के साथ पर्यावरण सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। उप महानिदेशक डॉ चौधरी ने प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन को खेती, जलवायु एवं पर्यावरण के लिए घातक बताया। काजरी निदेशक डॉ ओम प्रकाश यादव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए शुष्क खेती मे आने वाली विभिन्न चुनोतियों एवं उनके समाधानों पर होने वाली चर्चा के बारे में अवगत कराया। श्री रामप्रसाद जी महाराज ने प्रकृति से छेड़-छाड़ करने से बचाव एवं गोवंश के संवर्धन पर अपने विचार रखे। अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय किसान संघ श्री दिनेश कुलकर्णी ने इस कार्यशाला की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्री दल्लाराम बटेसर (प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय किसान संघ), श्री सुहास मनोहर (प्रदेश मंत्री, भारतीय कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र), काजरी संस्थान के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिकगण, विषय विशेषज्ञ वक्ता, राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए कृषक भाई एवं बहने उपस्थित थी। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में 107 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर 22 विषय विशेषज्ञों ने 5 तकनीकी सत्रों में अपने विचार प्रस्तुत किये।